कोरोना वायरस से सावधानियां

कैलाश चतुर्वेदी

को– **कोऽपि न बहिर्गच्छेत् गृहे एव च तिष्ठतु।**
पालयतु च राजाज्ञां कोरोना किं करिष्यति ।।1।।

भावार्थ– कोई भी बाहर न निकलें घर पर ही रहें। सरकार के निर्देशों का पालन करें तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

रो– **रोधयतु स्वकीयान्वै परस्परञ्च मेलनात्।**
अन्तःरक्षतु पर्याप्तं कोरोना किं करिष्यति।।2।।

भावार्थ– अपने निजी प्रेमी लोगों को भी मिलने से रोकें, तथा परस्पर पर्याप्त दूरी रखें तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

ना– **नाशयतु च कोरोना नीत्वा रोगाणुरोधि च।**
उष्णोदकं च पानेन कोरोना किं करिष्यति ।।3।।

भावार्थ– रोगप्रतिरोधक अर्थात् विषाणुरोधक (एन्टीबायटिक) का सेवन कर कोरोना का विनाश करें। यदि गर्म पानी का सेवन करें तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

वा– **वारयतु च कोरोना तुलसी सेवनेन च।**
हस्तौ प्रक्षालनात्सुष्ठु कोरोना किं करिष्यति ।।4।।

भावार्थ– तुलसी का सेवन कर कोरोना का निवारण करें। यदि हाथों का बार बार अच्छी तरह से प्रक्षालन करें तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

य– **यदा भवति सन्देहः गच्छतु वैद्य–सन्निधौ।**
पालयतु च वैद्याज्ञां कोरोना किं करिष्यति ।।5।।

भावार्थ– जब किसी प्रकार का सन्देह हो तो चिकित्सक के पास जावें एवं चिकित्सक की सलाह का पालन करें तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

र– **रक्षकाः यत्र सर्वेषां सदा वैद्य चिकित्सकाः।**
तत्परः एव आरक्षी कोरोना किं करिष्यति ।।6।।

भावार्थ– जिस जगह सदैव वैद्य एवं चिकित्सक रक्षक हों एवं आरक्षी (पुलिस आदि) हमेंशा कर्त्तव्य के प्रति जागरुक हों तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

स– **सक्षमाः भारतीयाः च आत्मनि स्वास्थ्य रक्षणे।**

शंकरः रक्षको यत्र कोरोना किं करिष्यति ।।7।।

भावार्थ– जहाँ भारतीय सदैव स्वयं के स्वास्थ्य-रक्षण हेतु सक्षम हों तथा जहाँ भगवान् शिव जिनके रक्षक हों तो कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

स्वच्छता अभियान निर्मलोऽयंभारतः।

निगदति हि कैलाशः कोरोना किं करिष्यति ।।8।।

भावार्थ– कैलाश (चतुर्वेदी) का कहना है कि जहाँ स्वच्छता आदि अभियानों से जो भारत देश निर्मल (स्वच्छ) हो तो वहाँ कोरोना क्या करेगा अर्थात् कोरोना कुछ भी नहीं कर सकता।

चिड़ावा, राज.